बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् दिनांक -22 - 02 -2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में अध्ययन करेंगे।

द्विगु समास

द्विगु समास की परिभाषा

जिस समस्त पद का पहला पद संख्यावाचक होता है उसे द्विगु समास कहते हैं; जैसे –

समस्त पद	**विग्रह**
द्विघात	दो घातों का समूह
त्रिभुज	तीन भुजाओं का समूह
त्रिलोचन	तीन नयनों का समूह
चतुर्भुज	चार भुजाओं से घिरी आकृति
चतुरानन	चार आनन का समूह
पंचवटी	पंच (वट) वृक्षों का समूह
पंचानन	पाँच आनन (मुँह) का समूह
षट्भुज	छह भुजाओं वाली आकृति
षटकोण	छह कोणों का समूह
षडानन	छह आनन का समूह
त्रिफला	तीन फलों का समूह
त्रिभुवन	तीन लोकों का समूह
दोपहर	दो पहरों का समूह
पंचतंत्र	पाँच तंत्रों का समूह

दूसरी परिभाषा

वह समास जिसका पूर्व पद संख्यावाचक विशेषण होता है तथा समस्तपद समाहार या समूह का बोध कराए, उसे द्विगु समास कहते हैं।

उदाहरण-

- दोपहर- दो पहरों का समाहार
- शताब्दी- सौ सालों का समूह
- पंचतंत्र- पांच तंत्रों का समाहार
- सप्ताह- सात दिनों का समूह

जैसा कि आप ऊपर दिए गए उदाहरणों में देख सकते हैं कि सभी शब्दों में पूर्वपद एक संख्यावाचक विशेषण है एवं समस्तपद किसी न किसी समूह या फिर समाहार का बोध करा रहा है। जैसे दोपहर में पहला पद है 'दो' जो एक संख्यावाचक विशेषण है एवं समस्तपद दोपहर दो पहरों के समाहार का बोध करा रहा है। अतः यह उदाहरण द्विगु समास के अंतर्गत आयेंगे।

- चौराहा : चार राहों का समूह
- त्रिकोण : तीन कोणों का समूह
- तिरंगा : तीन रंगों का समूह
- त्रिफला : तीन फलों का समूह

ऊपर दिए गए उदाहरणों में आप देख सकते हैं कि सभी शब्दों में पूर्वपद एक संख्यावाचक विशेषण है एवं समस्तपद किसी समूह य समाहार का बोध करा रहा है।

जैसे चौराहा का पहला वर्ण है चौ जिसका मतलब होता है चार। चार एक संख्यावाचक विशेषण है। चोराहा बने पर समस्तपद चार राहों के समूह का बोध करा रहा है। हम देख सकते की तिरंगा में पहला वर्ण है ति जिसका मतलब तीन होता है। यह शब्द एक संख्यावाची विशेषण शब्द है। अतः यह उदाहरण द्विगु समास के अंतर्गत आयेंगे।